भागवत कथा – 17

संतोषरूपा (PHD)

निर्बल से लड़ाई बलवान की। ये कहानी है दीये की और तूफ़ान की.....

कुछ ऐसी ही कहानी है, आत्म-ज्ञान की ज्योति से प्रेरित हो आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की राह पकड़ने वाली 33 वर्षीय संतोषरूपा की।

सन 2005 में Jawaharlal Nehru Technological University (आंध्रप्रदेश) से Chemical Engineering में B.Tech करने के बाद संतोषरूपा ने रिसर्च क्षेत्र में अपनी रुचि के आधार पर सन् 2011 में Louis Ville University, U.S.A. से Nano Technology में P.H.D की पढ़ाई पूरी की। उसके बाद संतोषरूपा ने U.S.A **में स्थित IOWA State University of Science and Technology** में Research Associate के पद की ज़िम्मेवारी संभाली।

Bhagawat Story – 17 :
SANTOSHRUPA: . -

This is a fight of the weak with the giants.
This is a story of the glowing light and the storm.

A similar is the story of Miss Santoshrupa, aged 33 yrs, inspired by the brightness of the spiritual knowledge emanating from Adhyatmik Vishwa Vidyalaya .

Santhoshrupa is a P.H.D Scholar (Yr. 2011) in Nano Technology from Louis Ville University who has joined the said university after her graduation, B.Tech , chemical Engineering (Yr.2005) from Jawaharlal Nehru Technological University, in Andhra Pradesh. While she was with the **IOWA State University of Science and Technology in U.S.A as** a Research Associate, her mind and intellect simultaneously were searching for the Truth, the only one ultimate Truth of the Supreme Father.

रिसर्च की दुनिया में काम करते-2 संतोषरूपा का आंतरिक मन आध्यात्मिकता की खोज में यहाँ-वहाँ घूम रहा था। सन् 2012 में अचानक संतोषरूपा के जीवन में एक सुंदर परिवर्तन आया और उसने New York शहर में 'Global Harmony House' नामक ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र में राजयोग की बेसिक पढ़ाई पढ़ना प्रारम्भ किया। लेकिन किसी भी विषय में रिसर्च करते हुए गहराई में जाने की उसकी विशेषता ने आखिरकार आध्यात्मिक विश्वविद्यालय द्वारा दिए जाने वाले Advance Spiritual ज्ञान को खोज ही लिया।

During 2012 Santoshrupa could find some rays of hope, leading to a change in her life which have inspired her to look into the knowledge, well a basic one, though

not, but styled as Rajyog, at a Brahma Kumari Service Centre named Global Harmony House. The said ill explained basic knowledge remained a flickering light and was short of real satisfaction, for her research brain. At last, she, however could find out the exact answer, for what she was searching about. It was; the answer was Adhyatmik Vishwa Vidyalaya from where the steady bright rays of Advance Spiritual Knowledge emanates.

एडवांस ज्ञान के गहन अध्ययन और गहरे मनन-चिंतन-मंथन के बाद संतोषरूपा ने नौकरी की टोकरी को लात मारकर आध्यात्मिक विश्वविद्यालय, विजयविहार, दिल्ली में दाखिल होकर समर्पित जीवन जीने का निर्णय ले ही लिया।

A study into the depths of Advance Knowledge made her kick off her financially remunerative job of the U.S.A and get herself dedicated to the spiritual service with the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya, Vijaya Vihar, Delhi.

संतोषरूपा के माता-पिता, जो कि हैदराबाद में रहते हैं, उसके आध्यात्मिक मार्ग का विरोध करने लगे। जिस कारण दिनांक 09.07.2015 को संतोषरूपा ने पुलिस थाना इन्चार्ज, आसिफ नगर, हैदराबाद व D.C.P., हैदराबाद को पत्र भेजकर यह सूचित किया कि वह अपनी स्वेच्छा से आध्यात्मिक शिक्षिका के रूप में विजयविहार, दिल्ली स्थित आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में दाखिल हो चुकी है और उक्त पत्र में संतोषरूपा ने पुलिस को यह अनुरोध किया कि उसके माता-पिता व बड़ी बहन द्वारा उसके उक्त निर्णय के विरोध में कोई भी प्रकार की कार्यवाही करने पर उसे सुरक्षा प्रदान की जाए।

Her parents, residents of Hyderabad, of the present Telengana State could not digest the divine change in the principles of their daughter. They started creating hurdles in her way of spiritualism. Expecting something untoward from her dissatisfied parents, Santoshrupa has sent letters to the S.H.O., Asif Nagar and the concerned D.C.P of Hyderabad, wherein she has stressed her decision that she has joined as a spiritual teacher in the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya , Vijaya Vihar, Delhi at her own will and pleasure. She has further extended her request to the Police protect her in case any coercive action is taken from the side of her parents and elder sister against her.

इसी आशय पर आधारित पत्र संतोषरूपा ने S.H.O., Vijayvihar Police Station व D.C.P., Outer District, Delhi को भी भेजा था और संतोषरूपा ने अपने माता-पिता को भी पत्र भेजकर अपने इस निर्णय के बारे में उन्हें अवगत कराया था।

The same communication was sent to the S.H.O., Vijayvihar Police Station and D.C.P., Outer District, Delhi. She has also intimated her firm decision to her parents also.

संतोषरूपा के आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में दाखिल होने के बाद उसके माता-पिता कई बार उससे मिलने के लिए आए और बातचीत करके चले गए; परन्तु कुछ असामाजिक तत्वों के प्रभाव में आकर संतोषरूपा के पिताजी ने उनकी बेटी को बंधक बनाकर आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में रखने की झूठी

शिकायतें विजयविहार पुलिस थाना, D.C.P., Outer District, S.D.M., Rohini, महिला एवं बाल-कल्याण मंत्रालय, राज्य महिला आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग, Crime Branch व अन्य सरकारी व प्रशासकीय तबक्कों को देना शुरू किया।

Subsequent to her joining the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya , her parents visited the "AVV" , met their daughter and returned home very frequently. However, having influenced by some anti-social elements, her father resorted to lodge false complaints with the Vijaya Vihar Police Station, D.C.P., Outer District, S.D.M., Rohini, Ministry of Women and Child Welfare, National Women's Commission, State Women's Commission, Crime Branch and other Government Agencies that his daughter was kept under captivity with the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya. He has raised another blame that illegitimate deeds are being conducted in the "AVV".

उक्त शिकायतों में उन्होंने आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में अनैतिक कार्य होने की बात को भी उछाला। संतोषरूपा ने विजयविहार पुलिस थाने में जाकर तत्कालीन S.H.O. को ईश्वरीय ज्ञान व विश्वनिर्माण की अनूठी ईश्वरीय योजना के बारे में परिचय दिया; लेकिन उसके बावजूद दिनांक 01.04.2016 को विजयविहार थाने के S.H.O. ने संतोषरूपा के पिताजी से साथ साँठ-गाँठ कर संतोषरूपा को विद्यालय छोड़ने के लिए धमकाया। जिसकी शिकायत दिनांक 02.04.2016 को संतोषरूपा ने Commissioner of Police, New Delhi, राष्ट्रीय महिला आयोग, राज्य महिला आयोग, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग व D.C.P, Outer District को ई-मेल द्वारा की थी; लेकिन पुलिस उच्चाधिकारियों द्वारा S.H.O के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई।

Santoshrupa has approached the then S.H.O Of Vijaya Vihar Police Station, and attempted to educate him about the unique Godly Plan of the "AVV" for World Renewal. Despite, the S.H.O , in connivance with the father of Santoshrupa , has threatened Santoshrupa on 1st April, 2016 to leave the "AVV" . The matter regarding the said threats was reported to the Commissioner of Police, New Delhi, D.C.P., Outer District, National Women's Commission, State Women's Commission, by e mails. No action has been initiated against the S.H.O.

उसके बाद संतोषरूपा के पिताजी द्वारा की गई झूठी शिकायतों को लेकर Executive Magistrate Amit Kumar Srivastava, D.C.P., Outer District, A.C.P Umesh Singh व दिल्ली महिला आयोग की Counsellor अलग-2 समय पर आकर संतोषरूपा से आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में मिले व संतोषरूपा से ईश्वरीय ज्ञान का परिचय प्राप्त करते हुए संतुष्ट होकर लौट गए। विजयविहार पुलिस थाने की पुलिस ने उच्च शासकीय व प्रशासकीय अधिकारियों के प्रभाव में आकर कई बार संतोषरूपा के बयान लिए और उक्त शिकायतों को रफा-दफा करते रहे।

However, on the other side, the Executive Magistrate Amit Kumar Srivastava, D.C.P., Outer District, A.C.P Umesh Singh and the Counsellor of Delhi Women's Commission met Santoshrupa at different times in the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya. They appeared to have satisfied with the initial spiritual knowledge imparted by Santoshrupa and returned back. Some Police staff from Vijaya Vihar

Police Station, visited Adhyatmik Vishwa Vidyalaya and obtained statements from Santoshrupa and they having found the truth , used to overlook the matters.

किन्तु कुछ खाकी वर्दी पहनने वाले अपने को कानून से भी ऊँचा मानते हैं और कानून के सारे नियम तोड़कर भ्रष्टता व नीचता की हदें पार कर देते हैं। दिनांक 22.11.2016 को कानून के रक्षक बने हुए विजयविहार थाने के A.S.I. वीरेंद्र माथुर व उसके अन्य सहकर्मी संतोषरूपा के जीवन में भक्षक के रूप में सामने आए।

But; some corrupted khakis who feel themselves to be above the law of the land break cross all the limits of the law towards the ends of atrocities. It was on 22nd November, 2016, the A.S.I Virendra Mathur of Vijaya Vihar Police Station, with some other police staff, the so called protectors of the law and order, turned themselves into woman-eaters and intruded into the peaceful life of Santoshrupa.

संतोषरूपा के माता-पिता से मोटी रकम लेकर A.S.I. वीरेंद्र माथुर ने 30-35 हरियाणवी गुंडों-बदमाशों को आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में घुसा दिया। उक्त गुंडों-बदमाशों ने गन्दी व भद्दी-2 गालियाँ देते हुए विद्यालय में रहने वाली कन्याओं–माताओं को धमकियाँ देना चालू कर दिया। कुछ ही देर में A.S.I. वीरेंद्र माथुर व 5-6 पुलिसकर्मी भी विद्यालय के अंदर घुस गए। A.S.I. वीरेंद्र माथुर ने कोई भी Complaint दिखाने से मना कर दिया।

Having bribed stomach-full by the parents of Santoshrupa , the A.S.I Virendra Mathur cleared intrusion to 30-35 hired goons from Haryana into the premises of Adhyatmik Vishwa Vidyalaya, Vijayavihar. The goons ahead started threatening and obtruding the sisters and mothers of the Vidyalaya. They started throwing intolerable, indecent and abusive language over the sisters and mothers. Dramatically, there followed A.S.I Virendra Mathur along with 5-6 Police staff ; intruded into the premises of the Vidyalaya. The A.S.I has refused to show any complaint held with him.

पुलिस के पास कोई भी सर्च वॉरण्ट नहीं था। A.S.I. वीरेंद्र माथुर का विद्यालय की कन्याओं-माताओं के प्रति व्यवहार अत्यंत असभ्य, अशिष्ट व अभद्र था। उन्होंने अंदर आते ही कन्याओं-माताओं को व विद्यालय के सदस्यों को गाली-गलौज देना, मार-पिटाई करना व धमकाना शुरू कर दिया। विद्यालय की वरिष्ठ बहन अनीता द्वारा उनको शांति से बात करने की विनती करने पर A.S.I. वीरेंद्र माथुर ने उनके साथ भी अपना रवैय्या नहीं बदला और भीड़ में जब बहन इन्टरकॉम फोन से बात कर रही थीं, तो वो इन्टरकॉम फोन भी तोड़ दिया और उनकी शॉल भी खींची।

There was no search warrant with the police at the time of intrusion. The arrogant and vindictive behavior of the A.S.I Virendra Mathur was beyond the limits of decency, abnormally intoxicated and insecure. Immediately after unauthorized intrusion, he started to obtrude, abuse and manhandle the sisters and mothers of the vidyalaya. The request by the senior sister Anita with the A.S.I to deal the matter in peaceful manner, was given a deaf ear. Afraid of safety of the sisters and mothers held in between the goons and the police force, Anita bahan tried to talk over the intercom phone with other sisters. The A.S.I rushed forward and broke the phone down the floor. He has even dared to drag her shawl.

लेडीज कॉन्स्टेबल ने भी अनीता बहन को बिना कोई वॉरन्ट दिखाए पुलिस थाने चलने के लिए जोर-जबरदस्ती की; जबकि कानून तो यह कहता है कि अगर किसी स्त्री के बयान लेने हों, तो उसके घर में ही लिया जाना चाहिए; लेकिन यहाँ तो पुलिस ने निर्दोष, अबला बहनों-माताओं को पुलिस थाने चलने के लिए ज़ोर-ज़बरदस्ती की और आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की दो माताओं (निपुणा माता, शेवंती माता) को जोर-जबरदस्ती पुलिस थाने लेकर गए।

The lady constable forced Anita bahan to move to Police Station. The law which says that if any statement is to be obtained from ladies , it should be done at home itself. The situation is totally different here. The Police were force dragging the sisters and mothers to the police station. They have taken two mothers, Nipuna Mata and shevanti Mata ultimately to the Police Station by force of the khakis.

A.S.I. वीरेंद्र माथुर शराब के नशे में धुत्त थे व विद्यालय की कन्याओं-माताओं से बत्तमीज़ी से पेश आ रहे थे। A.S.I. वीरेंद्र माथुर ने उन गुंडों-बदमाशों को व जनरल पब्लिक को कन्याओं-माताओं के कमरों में घुसकर कन्याओं-माताओं को मार-पिटाई करके घसीटकर ले आने का आदेश भी दे दिया।

The A.S.I Virendra Mathur was at that time under the influence of liquor on duty , and was clearly appearing as drunkard using abusive, indecent and vulgar language with the sisters and mothers, whom the constitution has given a respectful place. He has openly ordered the hired goons and the public surrounding to intrude into the rooms of sisters and mothers, beat them and drag them out of the premises.

अपनी पद और वर्दी का गैर इस्तेमाल करते हुए ASI वीरेंद्र माथुर ने लोहे की रॉड व हथोड़े से विद्यालय का ग्रिल वाला गेट भी तोड़ दिया। ASI वीरेंद्र माथुर ने जनरल पब्लिक में यह अफवाहें भी फैलाईं कि विद्यालय में नशीली दवाइयाँ दी जाती हैं और कन्याओं-माताओं को 'वेश्याएँ' नामक अश्लील शब्द से संबोधित किया।

The A.S.I Virendra Mathur in the state of intoxication of liquor as well his post covered by the dress code has broken open the safety iron grills of the Vidyalaya with iron rods and hammers. The A.S.I Virendra Mathur has lost his remaining senses if any. He has raised false publicity and rumors among the public surrounding that the sisters and mothers of the "AVV" are drug edicts and debauchers.

अनीता बहन द्वारा पुलिस कण्ट्रोल रूम, वुमेन हेल्पलाइन व D.C.P., Outer District को फोन कर ASI वीरेंद्र माथुर के उक्त गैर कानूनी कारनामों की शिकायत की गई। उसके बाद संतोषरूपा द्वारा फिर से लिखित बयान देकर अपनी स्वेच्छा से आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में रहने की अपनी बात को दोहराया गया।

The entire illegal acts and unruly behavior of the A.S.I Virendra Mathur in drunken stage were apprised by Anita Bahan to the Police Control Room, Women Helpline and D.C.P., Outer District over phone. This was followed by reiterating a written complaint again by Santoshrupa as to her staying in the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya at her will and pleasure.

पुलिस के उपरोक्त वर्णित दुर्व्यवहार की शिकायतें संतोषरूपा व अनीता बहन द्वारा DCP, Outer District, Commissioner of Police, New Delhi, DCP, Vigilance, दिल्ली महिला आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग व ACP, Rohini को स्पीड पोस्ट, ई-मेल व Fax द्वारा दी गई; लेकिन आज तक उच्च अधिकारियों द्वारा ASI वीरेंद्र माथुर के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई।

The complaints in regard to the unruly behavior of the Police were apprised to the Commissioner of Police, New Delhi, D.C.P., Outer District, DCP, Vigilance, National Women's Commission, State Women's Commission and ACP, Rohini by speed post as well emails. Still no action has been initiated by the higher-ups against the so called protector of the law A.S.I Virendra Mathur.

आखिरकार अपने व्यक्तिगत स्वतंत्रता व जीवन जीने के मौलिक अधिकारों की रक्षा करने के लिए संतोषरूपा को माननीय उच्च न्यायालय, दिल्ली में गुहार लगानी पड़ी। दिनांक 28.11.2016 को संतोषरूपा द्वारा उसके माता-पिता व दिल्ली सरकार के खिलाफ W.P.(Criminal) No. 3471/2016 दाखिल किया गया।

Having found no response from the higher-ups , the girl Santoshrupa , in order to save her rights to live peacefully with dignity has approached the Honorable High Court of Delhi . A criminal writ petition No. 3471/2016 was filed with the High Court on 28th November, 2016.

संतोषरूपा ने दिनांक 02.12.2016 को माननीय उच्च न्यायालय, दिल्ली के सामने पेश होते हुए यह बयान दिया कि "***वह अपनी स्वेच्छा से आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में दाखिल हुई है और उसके माता-पिता बलपूर्वक उसे आध्यात्मिक विश्वविद्यालय से ले जाने की कोशिश कर रहे हैं।" संतोषरूपा के उक्त बयानों को मद्देनज़र रखते हुए कोर्ट ने यह अंतरिम आदेश दिया कि "Petitioner ने अपनी स्वेच्छा से यह कदम उठाया है और किसी भी व्यक्ति को Petitioner के ऊपर दबाब बनाकर अपने तरीके से उसे चलाने का अधिकार नहीं है। तदनुसार Petitioner को उसके माता-पिता व उनके अन्य सहयोगियों से सुरक्षा प्रदान करने के निर्देश दिए जाते हैं। सम्बंधित ACP व S.H.O., विजयविहार पुलिस स्टेशन को यह निर्देश दिया जाता है कि Petitioner के खतरे का परीक्षण करें और उसके माता-पिता या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा दी जाने वाली धमकी या खतरे से Petitioner को उचित सुरक्षा प्रदान करें।"***

The Honorable High Court of Delhi in their order dated 02-12-2016 observed, " The petitioner has preferred the present writ petition to seek protection from the respondents 3 & 4 who are her parents. The case of the petitioner is that she is post-graduate by qualification and out of her own will and accord , she has joined the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya , which is not to the liking of the respondents 3 & 4, the parents.

The petitioner is directed to be granted protection from respondents No. 3 & 4 or any other person at their instance. "

दिनांक 15.05.2017 को माननीय उच्च न्यायालय, दिल्ली ने अपना अंतिम निर्णय देते हुए S.H.O, DCP व Local Beat Staff को Petitioner की सुरक्षा व सलामती को सुनिश्चित करने के सम्बन्ध में उपयुक्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए।

The honorable High Court of Delhi has in their final order dated 15th May, 2017 has directed the S.H.O., D.C.P., and Local Beat Staff for making suitable arrangements for ensuring the safety and wellbeing of the petitioner in future.

राजधानी दिल्ली-जैसे शहर में भी संतोषरूपा व आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की कन्याओं-माताओं को पुलिसिया अत्याचार का सामना करना पड़ा; लेकिन आखरीन संतोषरूपा ने परमात्मा की छत्रछाया में अपने आत्मा रूपी दीये की ज्योति से पुलिसिया अत्याचार के तूफ़ान से टक्कर लेकर उसे भगा ही दिया।

The girls and mothers of the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya had to face frequent atrocities of the Police, the protectors of Law and order in the National Capital Delhi. However, at last, Santoshrupa, an innocent girl, but a glowing light of purity, in the auspices of Supreme Father could fight the stormy persecutions of the Police giants and drive the atrocious gigantic intruders out. And

निर्बल से लड़ाई बलवान की, ये कहानी है दीये की और तूफ़ान की.....

This is a fight of the weak with the strong.
This is a story of the glowing light and the storm. The storm has attacked the glowing light of
Truth of the "AVV family" repeatedly, repeatedly and at the end, the storm had its own ‘U’ turn and get off from the field of Truth, deep into the darks again.

$~66.

* **IN THE HIGH COURT OF DELHI AT NEW DELHI**

\+ W.P.(CRL) 3471/2016 and CRL.M.A. 18855/2016

SANTOSH RUPA DUMPALA ..... Petitioner

Through: Mr. Amol Kokhe & Mr. Yesh Pal Saini, Advocates along with petitioner in person.

versus

GOVT OF NCT OF DELHI & ORS. ..... Respondents

Through: Ms. Richa Kapoor, ASC and Ms.Mallika Parmar, Advocate along with SI Jaspal, PS-Vijay Vihar, for the State.

CORAM:
HON'BLE MR. JUSTICE VIPIN SANGHI

% **ORDER**
02.12.2016

At the outset, learned counsel for the petitioner has pointed out that there is a typographical error in the name of respondent No.3 in the memo of parties. He has been permitted to correct the same under his initials today in Court.

Issue notice. Ms. Kapoor accepts notice on behalf of the State.

Let notice issue to respondents No.3 & 4 returnable on 06.02.2017.

The petitioner has preferred the present writ petition to seek protection from the respondents No.3 & 4, who are her parents. The case of the petitioner is that she is post-graduate by qualification, and out of her own

Digitally Signed Data
Certified to be True Copy
Examiner Judicial Department
High Court of Delhi
Authorized Under Section 79 of
Indian Evidence Act

free will and accord, she has joined Aadhyatmik Vishwavidyalaya, which is not to the liking of respondents No.3 & 4. According to the petitioner, respondents No.3 & 4 are seeking to use force to take her back to the home and she is not interested in the same.

The petitioner is present in Court and the Court has interacted with her. Since the petitioner has voluntarily taken the aforesaid step, no person has the right to dictate his/ her terms upon the petitioner.

Accordingly, the petitioner is directed to be granted protection from respondents No.3 & 4 or any other person at their instance. The ACP concerned and the SHO, PS-Vijay Vihar, are directed to make an assessment of the threat perceived by the petitioner and to provide adequate protection to the petitioner against any threat or harm that she may perceive from respondents No.3 & 4 or any other person. The mobile phone number of the Beat Constable of the area shall be provided to the petitioner and he shall be sensitised in the matter.

On the next date, respondents No.3 & 4 shall remain present in Court.

Dasti.

VIPIN SANGHI, J

DECEMBER 02, 2016
B.S. Rohella

Digitally Signed Data Certified to be True Copy
Examiner Judicial Department
High Court of Delhi
Authorized Under Section 70 of Indian Evidence Act

S-39

IN THE HIGH COURT OF DELHI AT NEW DELHI

W.P.(CRL) 3471/2016

SANTOSH RUPA DUMPALA ..... Petitioner

Through: Mr. Amal Kokre, Adv. with
Mr. Yesh Pal Saini, Advocate

versus

GOVT OF NCT OF DELHI & ORS. ..... Respondents

Through: Ms. Richa Kapoor, ASC for the State.
SI Jaspal Singh, PS Vijay Vihar.
Mr. D. Ramakrishna Reddy, Adv. for R-3 & R-4.

CORAM:
HON'BLE MR. JUSTICE R.K.GAUBA

ORDER

% 15.05.2017

Status report has been filed.

Having heard the counsel for the petitioner and the learned Additional Standing Counsel for respondents no.1 and 2, it is agreed that the petition does not call for any further directions expect suitable arrangement for ensuring the safety and well being of the petitioner in future.

In this view, the learned counsel for the petitioner fairly agrees that the contact telephone numbers of the local station house officer, the divisional officer and of the local beat staff shall be made available to her they having been properly sensitized and in turn, she would make her telephone contact number available to them, for contact to be made in the case of any emergent need.

The petition is disposed of with directions to such effect.

R.K.GAUBA, J.

MAY 15, 2017
vk